holding demonstrations and conducting campaigns to ensure that the public sector does not die for want of funds. Unfortunately, despite assurances having been given on the floor of the House by the Minister of Industry, the Minister of Labour and the Minister of Finance, the public sector industries in West Bengal are not getting funds to enable them to run these industries properly.

What I am saying is this. We are very much agitated on this issue. Therefore, this issue must be discussed here. Members should be given more time. The Ministers concerned should give replies. Unless that is done, it would be difficult. We are very, very agitated. Before we go back, the Government must come out with its stand. Otherwise, our workers would ask us: 'What has Parliament done?'. If there is no discussion on this matter, it would be very unfortunate.

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Mr. Vice-Chairman, Sir, a very vital question regarding sickness in public sector units, which could be remedied, has been raised. The BIFR has become an albatross round the neck of Indian industry. So many matters have been referred, but the Government has done nothing. Therefore, would you kindly issue the necessary directive to the Government? Thank you, Sir.

RE. REPORTED STATEMENT OF U.P. CHIEF MINISTER REGARDING ALLEGED INTERFERENCE BY UNION MINISTER OF STATE FOR HOME AFFAIRS IN U.P. ADMINISTRATION

डा. मुरली मनोहर जोशी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न पर मुझे सदन का, सरकार का और देश का भी ध्यान आकृष्ट करने का अवसर दिया हैं। कल उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री जी ने एक वक्तव्य के द्वारा एक बहुत ही गंभीर प्रश्न को इस सदन के समक्ष और देश के समक्ष रखा हैं, उन्होने बताया हैं कि केन्द्रीय सरकार के गृह राज्य मंत्री महोदय उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगवाने के लिए अनेक प्रकार की साजिशें और षडयंत्र भरे कदम उठाते रहे हैं। उन्होने मथुरा में इस प्रकार के जिससे वहां साम्प्रदायिक तनाव फैले, भडकाऊ भाषण दिये और यह चेष्टा की कि उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों को दबाया जाए। उनको दबा कर संविधान के 355वें अनुच्छेद के अन्तर्गत यह लिखवा लिया जाए कि मथुरा का प्रशासन केन्द्रीय सरकार को सौंप दिया जाए। मैं नहीं जानता कि 11 अगस्त को राज्य सरकार की सहमति के बिना गृह मंत्री को जो आन्तरिक सुरक्षा का भार संभाले हैं, वहां जाने की क्या आवश्यकता थी जब राज्य सरकार उनको मना कर रही हैं ...(**व्यवधान**)....

एम माननीय सदस्य : दर्शन करने के लिए गये थे ...(**व्यवधान**)....

डा. मुरली मनोहर जोशी : नहीं, दर्शन करने के लिए नहीं गये थे। उन्होने इस प्रकार चेष्टा की, केन्द्रीय गृह मंत्रालय के प्रमुख गृह सचिव ने उत्तर प्रदेश के गृह सचिव को बुलाया, उत्तर प्रदेश के डायरेक्टर जनरल पुलिस को बुलाया और उन पर दबाव डाला। उनको एक ड्राफ्ट दिया और यह कहा कि वह ड्राफ्ट ले कर के जाएं और उस ड्राफ्ट पर मुख्य मंत्री कुमारी मायावती के हस्ताक्षर करवा कर लाएं कि मथुरा का प्रशासन उत्तर प्रदेश सरकार से हटा कर केन्द्रीय सरकार को दे दिया जाए। उन्होने यह भी चेष्टा की कि सी.आर.पी.एफ. के अधिकारियों को कार्यकारी मजिस्ट्रेट के अधिकार दे दिये जाए जिससे वह मनमाने तौर पर जो चाहे कर सकें। इतना ही नहीं, उन्होने 18 अगस्त को जन्म अष्टमी के दिन मथुरा में जाने की कोशिश की ताकि वहां उपद्रव करें। इसका सबूत यह हैं कि 17 अगस्त को सी.आर.पी.एफ. के करीब 60-70 जवान बिना वर्दी पहने हुए मथुरा के परिसर में गये। वहां सुरक्षा बल लगे हुए थे, वहां ईदगाह परिसर और कृष्ण जन्म भूमि परिसर मे रेपिड ऐक्शन फोर्स लगी हुई थी। वहां इन जवानों ने जा कर यह कहा कि हमें घुसने दिया जाए। उन्हें मजिस्ट्रेट ने रोका तो उसके साथ उन्होने अभद्र व्यवहार किया और यहां तक कहा कि हम देखते हैं कि आप इस ईदगाह मस्जिद को कैसे बचाएंगे। अर्थात् इसका मतलब यह है कि सी.आर.पी.एफ. के लोग वहां घुसे और उस जगह जा कर साम्प्रदायिक तनाव पैदा करें, तोड़-फोड़ करें और 18 तारीख की इस घटना के बाद यहां पर गृह राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को डिजाल्व करें।

राष्ट्रपति शासन वहां पर लागू करें। यह एक गहरा षडयंत्र हैं। ऐसा ही एक गहरा षडयंत्र ये मंत्री जी राजस्थान की सरकार को गिराने के लिए करते रहे है। मैं सदन का ध्यान आकर्षित करता रहा हूं

श्री सत्य प्रकाश मालवीयय (उत्तर प्रदेश) : वे दोनों राज्यों से संबंधित हैं। यू.पी. के रहने वाले हैं और वहां से लोक सभा में हैं।

डा. मुरली मनोहर जोशी : यह कह रहे हैं। कुछ उनकी सजिश यही थी कि उत्तर प्रदेश की ही नहीं बल्कि और चारों राज्य सरकारों को जहां भा.जा.पा. का शासन हैं उनको वे गिराए। मैं यह कहना चाहता हूं कि कल यह परिस्थिति हो सकती हैं कि गृह राज्य मंत्री जी कलकत्ता में जाएं और वहां के अधिकारियों पर दवाब डालें कि कलकत्ता का एडमिनिस्ट्रेशन केन्द्र सरकार को दे दें। परसों को ये जा सकते हैं हैदराबाद में और तेलुगु देशम के अधिकारियों और सरकार पर यह दबाव डाल सकते हैं कि हैदराबाद का प्रशासन हमारे हाथ में सौंप दिया। संविधान का अनुच्छेद 355 इस प्रकार का अधिकार नही देता हैं। मैं यह भी बताना चाहता हूं कि इसी संविधान के सातवें शिडयूल में हैं कि जो पिलिग्रिमेजेज हैं जो तीर्थ यात्राएं हैं देश के अंदर की उनमें राज्य सरकारों का अधिकार हैं। मथुरा में तीर्थ यात्रा हो रही थी, मथुरा के अंदर जो कुछ हो रहा था वह तीर्थ से संबंधित था – चाहे वह कृष्ण भूमि के दर्शन था चाहे वह जुमे की नमाज थी – उसमें केन्द्र सरकार का कोई अधिकार नहीं । हां, हज जाने के ऊपर पर पाकिस्तान मं किसी मंदिर या गुरूदारे के दर्शन में जाने के ऊपर केन्द्र सरकार का अधिकार हैं।

मैं यह कहना चाहता हूं कि यह एक बहुत गहरा सवाल उठकर खड़ा हुआ हैं, केन्द्र और राज्यों के संबंधों का सवाल उठकर खड़ा हो गया हैं। मैं आरोप लगा रहा हूं कि इस देश में केन्द्र सरकार उत्तर प्रदेश की सरकार को गिराने की कोशिश इसलिए कर रही हैं कि पहली बार एक दलित मुख्य मंत्री उत्तर प्रदेश की सरकार में महिला के रूप में बना हैं। इसलिए यह उस सरकार को गिराने की कोशिश कर रही हैं, उस सरकार को हटाने की कोशिश कर रही हैं। ये साजिशें नाकामयाब की जानी चाहिए। मैं सारे देश को सावधान करना चाहता हूं कि केन्द्र की सरकार दंगे फैलाकर हिन्दुस्तान के अंदर उपद्रव फैलाकर, अराजगता फैलाने की कोशिश कर रही हैं। इसको रोक जाना चाहिए।

सैयद सिब्ते रजी (उत्तर प्रदेश) : वाइस चेयरमैन साहब

डा. मुरली मनोहर जोशी : मेरी मांग हैं कि गृह राज्य मंत्री जी का इस्तीफा लेना चाहिए। मैं इनसे मांग कर रहा हूं ...(**व्यवधान**)....

SHRIMATI JAYANTHI NATRAJAN (Tamil Nadu): He has got permission. What is this? Is this a democracy or not?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): He has been permitted by the Chairman.

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : उसके पहले परमिशन सिब्ते रजी को मिली हुई हैं। येस मिस्टर सिब्ते रजी ...(**व्यवधान**)....

डा. मुरली मनोहर जोशी : आई एम हैप्पी यू आर एसोसिएटिंग। मुझे बहुत खुशी होगी अगर आप एसोसिएट करेंगें ...(**व्यवधान**)....

कई माननीय सदस्य : क्या ये एसोसिएट कर रहे हैं?

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त) : मैं खाली यह जानना चाहता हूं कि सिब्ते रजी साहब से कि जो बोला गया है, जो कुछ डा. मुरली मनोहर जोशी की सबमिशन थी क्या अपने आपको उससे बाबस्ता करने के लिए खड़े हुए हैं? क्या मकसद हैं? मकसद बता दीजिए।

†نیتا ورودھی دل "شری سکندر بخت": میں خالی یہ جاننا چاہتا ہوں کہ سبط رضی صاحب سے کہ جو بولا گیا ہے۔ جو کچھ ڈاکٹر مرلی منوہر جوشی کی سبمیشن تھی کیا اپنے آپکو اس سے وابستہ کرنے کیلئے کھڑے ہوئے ہیں۔ کیا مقصد ہے۔ مقصد بتا دیجئے۔

†[ ] Transliterationin Arabic Script.

(**व्यवधान**)

सैयद सिब्ते रजी वाइस चेयरमैन साहब "यह वस्तूरे जुबाबंदी हैं कैसी तेरी

महफिल में, यह तो बता करने को तरसती हैं जुबॉ मेरी' ...(**व्यवधान**)....

سید سبط رضی اتر پردیش": وائس چیر مین صاحب "یہ دستور زبان بندی ہے کیسا تیری محفل میں۔یہاں تو بات کرنے کو ترستی ہے۔ زبان میری ..."مداخلت"...

श्री सिकन्दर बख्त : मैं क्या कहूं ...(**व्यवधान**).... तुम तो सिर से पांव तक जंजीरों में बंधे हुए हो।

†**شری سکندر بخت:** میں کیا کہوں..."مداخلت"... تم تو سر سے پاؤں تک زنجیروں میں بندھے ہوئے ہو۔

सैयद सिब्ते रजी : आप मेरे बुजुर्ग हैं मैं कुछ कहना नहीं चाहूंगा इस सिलसिले में। अभी जोशी जी ने , वाइस चेयरमैन साहब, यहां पर कुछ ऐसे सवाल उठाए और यकीनी तौर पर जिस वक्तव्य का तसकिरा किया, यह हमारी परंपरा रही हैं कि ऐसे स्टेट्स की असेम्बलीज में जो वक्तव्य दिए जाते हैं साधारणतया: उनके ऊपर हम अपने सदन में बहस नहीं करते हैं। लेकिन जोशी जी काफी सीनियर हैं ...(**व्यवधान**)....

†**سید سبط رضی:** آپ میرے بزرگ ہیں میں کچھ کہنا نہیں چاہونگا اس سلسلہ میں۔ ابھی جوشی جی نے۔ وائس چیئر مین صاحب یہاں پر کچھ ایسے سوال اٹھائے اور یقینی طور پر جس وکتوئے کا تزکرہ کیا۔ یہ ہماری پرمپرا رہی ہے کہ ایسے اسٹیٹس کی اسمبلیز میں جو وکتوئے دیئے جاتے ہیں سادھارنتیہ انکے اوپر ہم اپنے سدن میں بحث نہیں کرتے ہیں۔ لیکن جوشی جی کافی سینیر ہیں ..."مداخلت"...

डा. मुरली मनोहर जोशी : यह अखबारों में छपा हैं।

सैयद सिब्ते रजी : जी हां, अखबारों में छपा हैं तभी मैं उसकी आपरचूनिटी ले रहा हूं।

†**سید سبط رضی:** جی ہاں اخباروں میں چھپا ہے تبھی میں اسکی اپورچنٹی لے رہا ہوں۔

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (**उत्तर प्रदेश**) : आप तमिलनाडु सरकार की असेम्बली की बातें कर चुके हैं ...(**व्यवधान**)....

सैयद सिब्ते रजी : वे हमारे बड़े सीनियर लीडर हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से उनका बड़ा आदर करता हूं। सीनियर राजनीतिज्ञ तो हैं ही। प्रेम में तो सुनते आए थे कि सब कुछ हो सकता हैं। लेकिन राजनीतिक प्रेम में यदि ऐसा स्तर आ जाए कि जोशी जी ऐसे विद्वान, हमारे सीनियर सदस्य यहां पर ऐसे सवालात उठाएं, जो संविधान से संबंधित सवालात हैं।

अब जो स्टेटमेंट की बात आपने कहीं हैं, उसमें हमारे मुख्य मंत्री ने कहा कि ...(**व्यवधान**)....

†**سید سبط رضی:** وہ ہمارے سینیئر لیڈر ہیں۔ میں ویکتی گت روپ سے انکا بڑا آدر کرتا ہوں۔ سینیئر رجنیتگیہ تو ہیں ہی۔ پریم میں تو سنتے آئے تھے

†[ ]Trahsliteration in Arabic Script

Qسب کچھ ہو سکتا ہے۔ لیکن راج نیتک پریم میں یدی ایسا استر آجائے کہ جوشی جی ایسے ودوان۔ ہمارے سینئر سدسیئے یہاں پر ا سے سوالات اٹھائیں۔ جو سنودھان سے سمبندھت ہیں۔

اب جو اسٹیٹمنٹ کی بات آپنے کہی ہے۔ اسمیں ہمارے مکھیہ منتری نے کہا ہے کہ..."مداخلت

श्री सिकन्दर बख्त : अब मैं बैठूं या क्या करूं। मैं सिर्फ यह पूछना चाहता हूं कि सिब्ते रजी साहब किस हैसियत से बोल रहे हैं ...(**व्यवधान**)....

†**شری سکندر بخت:** اب میں بیٹھوں یا کیا کروں۔ میں صرف یہ پوچھنا چاہتا ہوں کہ سبط رضی صاحب کس حیثیت سے بول رہے ہیں ..."مداخلت"...

सैयद सिब्ते रजी : मैं पार्लियामेंट के एक सदस्य की हैसियत से बोल रहा हूं ...(**व्यवधान**)....

†**سید سبط رضی:**میں پارلیمنٹ کے ایک سدسئے کی حیثیت سے بول رہا ہوں ..."مداخلت"...

डा. मुरली मनोहर जोशी : हमको यह बताया जाए कि जो बातें उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री ने कही हैं वे सच हैं या असत्य हैं।

श्री सिकन्दर बख्त : मैं सदर साहब, सिर्फ यह जानना चाहता हूं। ...(**व्यवधान**)....

†[]Transliieration in Arabic Script

†**شری سکندر بخت:** میں صدر صاحب۔ صرف یہ جاننا چاہتا ہوں۔

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): Let him finish.

श्री सिकन्दर बख्त : मैं सदर साहब, सिर्फ यह जानना चाहता हूं कि सिब्ते रजी साहब वाबस्ता कर रहे हैं अपने आपको जो कि जोशी जी ने कहा हैं कि जोशी जी ने कहा हैं या सरकार की सफाई में कुछ कहना चाहते हैं? इसके तरीके को दुरूस्त करिए। यह हाउस के कारोबार को, कारोबार के तरीके को मानें। ...(**व्यवधान**)....

†**شری سکندر بخت:** میں صدر صاحب صرف یہ جاننا چاہتا ہوں کہ کیا سبط رضی صاحب وابستہ کر رہے ہیں اپنے آپکو جو کہ جوشی جی نے کہا ہے یا سرکار کی صفائی میں کچھ کہنا چاہتے ہیں۔اسکے طریقے کو درست کیجئے۔ یہ ھاؤس کے کاروبار کو۔ کاروبار کے طریقے کو مانیں۔

सैयद सिब्ते रजी : माननीय उपसभाध्यक्ष जी ...(**व्यवधान**)....

†**سید سبط رضی:** ماننیئے اپ سبھا ادھیکش..."مداخلت"...

श्री सिकन्दर बख्त : नहीं, वह मालूम होना चाहिए।

†**شری سکندر بخت:**نہیں ۔ وہ معلوم ہونا چاہئے..."مداخلت"...

सैयद सिब्ते रजी : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, यदि आप मुझे मौका दें तो मैं बताऊं कि किस हैसियत से मैं बोल रहा हूं। ...(**व्यवधान**)....

†**سید سبط رضی:** مانئیے اپ سبھا ادھیکش مہودے جی۔ یدی آپ مجھے موقع دیں تو میں بتاؤں کس حیثیت سے بول رہاہوں۔

श्री सिकन्दर बख्त : मैं यह जानना चाहता हूं कि मुझे बता तो दीजिए कि किस हैसियत से उन्हे खड़ा किया गया हैं?

†**شری سکندر بخت:** میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ مجھے بتا دیجئے کہ کس حیثیت سے انہیں کھڑاکیاگیا ہے۔

सैयद सिब्ते रजी : बता तो रहे हैं। ...(**व्यवधान**).... वाइस चेयरमैन साहब, अभी माननीय हमारे विपक्ष के नेता जी ने ...(**व्यवधान**)....

†**سید سبط رضی:** بتا تو رہے ہیں..."مداخلت"... وائس چیئر مین صاحب ابھی مانئیے ہمارے وپکش کے نیتا جی نے ..."مداخلت"...

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : यह लोक सभा में कायदा हैं रूल 377 के तहत जो आदमी लोक सभा के अंदर बोलना चाहता हैं उसे पहले लिखकर देना पड़ता हैं। राज्य सभा में यह कायदा नहीं हैं। ...(**व्यवधान**)....

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : उन्होने दिया हैं।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : तो कोई मैम्बर क्या बोलना चाहता हैं पहले से कैसे बताए। ...(**व्यवधान**)....

श्री सिकन्दर बख्त : मालूम तो होना चाहिए, मुझे तो बता दीजिए।

†[]Transliteration in Arabic Script

†**شری سکندر بخت:** معلوم توہونا چاہئے۔ مجھے تو بتا دیجئے۔

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : यह कोई जरूरी नहीं हैं। ...(**व्यवधान**)....

श्री सिकन्दर बख्त : मैं रूकावट नहीं डालूंगा, सदर साहब से यह जानना चाहता हूं कि यह क्या कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)....

†**شری سکندر بخت:** میں رکاوٹ نہیں ڈالونگا۔ صدر صاحب سے یہ جاننا چاہتا ہوں کہ یہ کیاکر رہے ہیں..."مداخلت"...

सैयद सिब्ते रजी : देखिए, आपने बड़ा टैक्नीकल सवाल उठाया हैं। ...(**व्यवधान**).... प्रतिपक्ष के नेता महोदय, मुझे मौका दीजिए जो आपने सवाल उठाया उसका जवाब दूं। ...(**व्यवधान**).... मैंने एक लिखित अनुज्ञा जो हैं माननीय डिप्टी चेयरमैन साहिबा से हासिल की हैं। ...(**व्यवधान**).... अफजल साहब, मेरी बात खत्म हो जाने दीजिए। ...(**व्यवधान**)....

†**سید سبط رضی:** دیکھئے۔ آپ نے بڑا ٹیکنیکل سوال اٹھایا ہے..."مداخلت"...پرتی پکش کے نیتا مہودے۔ مجھے موقع دیجئے۔ جو آپنے سوال اٹھایا ہے اسکا جواب دوں۔..."مداخلت"... میں نے لکھت انوگیا جو ہے مانئیہ ڈپٹی چیئر مین صاحبہ سے صاصل کی ہے ..."مداخلت"... افضل صاحب میری بات ختم ہونے دیجئے ..."مداخلت

SHRI SURINDER KUMAR SINGLA (Punjab): Let him exercise his right to speak. He is speaking as a Member of this House.

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : सुनिए तो पहले। ...(**व्यवधान**)....

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : सिकन्दर बख्त साहब ने बिल्कुल सही बात उठाई हैं। पर जब यहां रूल्ज के तहत हाउस चलता हैं तो किसी मैम्बर को रूल्ज के तहत रोक दिया जाए और किसी को एलाउ कर दिया जाए और यह बात बिल्कुल सही हैं और यह उसूल की बात हैं। अब जीरों आवर में या स्पेशल मेंशन में कोई आदमी मसला उठाता हैं तो दूसरे मैम्बरान उसके साथ एसोसिएट कर सकते हैं और अगर वह डिस-एसोसिएट कर रहे हैं तो आप उन्हें अलग से परमिशन दीजिए। इसके लिए यह तरीका गलत हैं। मैं समझता हूं कि यह बुनियादी तौर पर गलत बात हैं। ...(**व्यवधान**)....

†**شری محمد افضل عرف م۔ افضل "اتر پردیش":** سکندر بخت صاحب نے بلکل صحیح بات اٹھائی ہے۔ پر جب یہاں رولز کے تحت ھاؤس چلتا ہے تو کسی ممبر کو رولز کے تحت روک دیا جائے اور کسی کو الاؤ کر دیا جائے اور یہ بات بلکل صحیح ہے اور یہ اصول کی بات ہے۔اب "زیرو آور" میں یا اسپیشل مینشن میں کوئی آدمی مسئلہ اٹھاتا ہے تو دوسرے ممران ا سے ساتھ ایسو سیئٹ کر سکتے ہیں اور اگر وہ ڈس ایسوسیئٹ کر رہے ہیں تو آپ انھیں الگ سے پرمیشن دیجئے۔ اسکے لئے یہ طریقہ غلط ہے۔ میں سمجھتا ہوں کہ یہ بنیادی طور پر غلط بات ہے..."مداخلت"...

†[ ]Transliteration in Arabic Script

सैयद सिब्ते रजी : अफजल साहब ...(**व्यवधान**)....

†**سید سبط رضی:** افضل صاحب ..."مداخلت"...

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL: If he has got permission, there is no problem, but it is being said that he has not been given permission.

SYED SIBTEY RAZI: I am competent enough to reply to the hon. Leader of the Opposition.

मान्यवर, मैंने ...(**व्यवधान**)....

†مانیہ ور۔ میں نے ..."مداخلت"...

श्री सिकन्दर बख्त : मैं कोई एतराज नहीं कर रहा हूं। मैं तो सदर साहब से पूछ रहा हूं कि इसका अलाहिदा से कोई मेंशन हैं या वाबस्ता कर रहे हैं, क्या हैं, यह तो बता दीजिए? ...(**व्यवधान**)....

†**شری سکندر بخت:** میں کوئی اعتراض نہیں کر رہا ہوں۔ میں تو صدر صاحب سے پوچھ رہا ہوں کہ انکا علیحدہ کوئی مینشن ہے یا وابستہ کر رہے ہیں۔ کیا ہے ۔ یہ بتا دیجئے ..."مداخلت"...

सैयद सिब्ते रजी : मैं वही जवाब देने जा रहा हूं। मुझे आप कहने नहीं दे रहे हैं। ...(**व्यवधान**)....

†**سید سبط رضی:** میں وہی جواب دینے جا رہا ہوں۔ مجھے آپ کہنے نہیں دے رہے ہیں..."مداخلت"...

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : चलिए, बोलिए।

सैयद सिब्ते रजी : मैं लिखा हैं आनरेबल डिप्टी चेयरमैन ...(**व्यवधान**).... मि. भंडारी प्लीज।

†**سید سبط رضی:** میں نے لکھا ہے آنریبل ڈپٹی چیئر مین ..."مداخلت"... مسٹر بھنڈاری پلیز۔

Mr. Bhandari, Please be-r with me. I am reading the permission.

SHRI SIKANDER BAKHT: If permission has been given to him. I have no objection.

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : यू.पी. के इस सिलसिले में चीफ मिनिस्टर के इस बयान के सिलसिले में उन्होने जीरो आवर में इस मैटर को रेज करने की अनुमति चेयरमैन साहब से चाही थी और वह अनुमति उन्हे मिली हुई हैं। ...(**व्यवधान**)....

श्री सिकन्दर बख्त : अच्छा, अगर परमिशन हैं ...(**व्यवधान**)....

†**شری سکندر بخت:** اچھا اگر پرمیشن ہے..."مداخلت"...

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : जी हां।

श्री सिकन्दर बख्त : तो मुझे एक दूसरी बात कहनी हैं। सदर साहब, बात यह हैं कि जो डा. जोशी ने सवाल उठाया हैं वह सवाल खत्म नहीं हुआ। ...(**व्यवधान**)....क्या आपने यह देखा लिया हैं, क्योंकि मिनिस्टर साहब उसका जवाब देने के लिए खड़े हो रहे हैं। हमें कोई एतराज नहीं हैं वह जवाब दें। ...(**व्यवधान**)....

†**شری سکندر بخت:** تو مجھے ایک دوسری بات کہنی ہے۔صدر صاحب۔ بات یہ ہے کہ جو ڈاکٹر جوشی نے سوال اٹھایا ہے۔ وہ سوال ختم نہیں ہوا ہے ..."مداخلت"...کیا آپنے یہ دیکھ لیا ہے کیونکہ منسٹر صاحب اسکا جواب دینے کیلئے کھڑے ہو رہے تھے۔ ہمیں کوئی اعتراض نہیں ہے وہ جواب دیں۔..."مداخلت"...

†[]Transliteration in Arabic Script

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : इसके बाद जवाब देंगें।

श्री सिकन्दर बख्त : नहीं, एक दूसरा इश्यू बीच में हैं। ...(**व्यवधान**)....

†**شری سکندر بخت:** نہیں ایک دوسرا اشیو بیچ میں ہے..."مداخلت"...

डा. मुरली मनोहर जोशी : गृह मंत्री महोदय से मैं अनुरोध कर रहा हूं कि वह रिएक्ट करें। ...(**व्यवधान**)....

श्री सिकन्दर बख्त : सिब्जे रजी साहब की तकरीर हो मुझे कोई एतराज नहीं हैं। उसका तरतीब दुरूस्त कर लें। ...(**व्यवधान**)....

†**شری سکندر بخت:** سبط رضی صاحب کی تقریر ہو مجھے کوئی اعتراض نہیں ہے۔ اسکا ترتیب درست کر لیں۔..."مداخلت"...

सैयद सिब्ते रजी : बहुत-बहुत धन्यवाद।

†**سید سبط رضی:** بہت بہت دھنیہ واد۔

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : बोलिए, सिब्ते साहब। ...(**व्यवधान**)....

श्री सिकन्दर बख्त : नहीं, सदर साहब, रेगुले कर दीजिए, प्लीज, या तो एक इंडीपेंडेंट मेम्बर को इजाजत दें या ...(**व्यवधान**)....

†**شری سکندر بخت:** نہیں صدر صاحب۔ ریگولیٹ کر دیجئے۔ پلیز یا تو ایک انڈیپینڈنٹ ممبر کو اجازت دیں یا ..."مداخلت"...

SYED SIBTEY RAZI: I am not Independent Member of this House. I am a member of the Congress Party.

उपसभाध्क्ष (श्री सुरेश पचौरी) : सिब्ते रजी साहब को चेयरमैन साहब से ...(**व्यवधान**)....

सैयद सिब्ते रजी : मैं इस महान सदन के साधारण सदस्य की हैसियत से बोल रहा हूं।

†**سید سبط رضی:** میں اس مہان سدن کے سادھارن سدسیئے کی حیثیت سے بول رہا ہوں۔

श्री सिकन्दर बख्त : बोलिए, कोई एतराज नहीं हैं। ...(**व्यवधान**)....

†**شری سکندر بخت:** بولئے کوئی اعتراض نہیں ہے..."مداخلت"...

एक माननीय सदस्य : अफजल साहब से प्वायंट् आफ आर्डर उठाया हैं ...(**व्यवधान**)....

श्री सिकन्दर बख्त : सब से बड़ी बात यह हैं कि मिनिस्टर साहब ...(**व्यवधान**)....

†**شری سکندر بخت:** سب سے بڑی بات یہ ہے کہ منسٹر صاحب..."مداخلت"...

उपसभाध्यक्ष (ड्ढी सुरेश पचौरी) : इसी सब्जैक्ट पर सिब्ते रजी साहब से चेयरमैन साहब को सैपरेट नोटिस दिया था और उनसे अनुमति चाही थी इस मुद्दे को जीरो आवर में उठाने की कि उन्हें अनुमति प्रदान की जाए जो उन्हे अनुमति प्रदान की गई हैं। ...(**व्यवधान**)....

†lTransliteration in Arabic Script

डा. मुरली मनोहर जोशी : अगर मेरा प्रश्न अलग हैं और इनका प्रश्न अलग हैं तो पहले मेरी बात का समाधान हो जाए। गृह मंत्री जो यहां बैठे हुए हैं। ...(**व्यवधान**)....

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : देखिए, आपके इस संबंध में ही सिब्ते रजी साहब का भी मैटर हैं इसलिए उन्हे इस पर इजाजत मिली हुई हैं। इस पर दोनों के मन्तव्यों को शामिल करते हुए ...(**व्यवधान**)....

डा. मुरली मनोहर जोशी : वह शामिल नहीं हो सकता।

श्री सिकन्दर बख्त : शामिल नहीं हो सकता।

†**شری سکندر بخت:** شامل نہیں ہو سکتا۔

डा. मुरली मनोहर जोशी : देखिए, पहला प्रश्न मेरा हैं। ...(**व्यवधान**)....

यह अलग इश्यू हैं , वह इश्यू उठाएं मेरे बाद।

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : वह भी लगभग उन्ही से संबंधित हैं।

डा. मुरली मनोहर जोशी : लगभग नहीं हो सकता, पूरे तौर पर संबंधित हो, मगर प्रश्न यह नहीं हैं ...(**व्यवधान**)....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): I haw allowed him. Please.

सैयद सिब्ते रजी : उपसभाध्यक्ष महोदय, अभी-अभी इस सदन के अंदर आसाम के इश्यू के ऊपर कई मेंम्बरों ने इधर-उधर से बोला और जब सारे सदस्य अपने विचार व्यक्त कर चुके, उस के बाद माननीय मंत्री जी ने उस के ऊपर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की ...(**व्यवधान**)....

श्री राजनाथ सिंह : उपसभाध्यक्ष महोदय ...(**व्यवधान**).... आप ने इजाजत कैसे दों? उपसभाध्यक्ष महोदय ...(**व्यवधान**)....

यह हम कह रहे हैं। पहले हमारे सवाल का जवाब हो जाना

SHRIMATI 1AYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): Mr. Vice-Chairman, Sir, it is a separate notice on the same issue. Mr. Sibtey Razi does not have to have the BJP ophBeu.

DR. MURLI MANtg^^ipSHI: Yes. That is why we sa? *tt* mould be done separately.... *(Interruptms)* ^ ^

चाहिए। उपसभाध्यक्ष महोदया, अगर कुछ लोग मेरे साथ एसोसिएट करना चाहते हैं, मेरे प्रश्न का समर्थन में कुछ कहना चाहते हैं तो उन को पहले अवसर आप दें और यदि वे कोई दूसरा इश्यू उठाना चाहते हैं, तो उस एसोसिएशन पर ...(**व्यवधान**)....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): I have already called Razi Sahib. He has been given permission by the Chairman. *(Interruptions)*

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहब, सीधी-सी बात यह हैं कि हम इस वक्त इस मुश्किल में पड़ गए हैं कि हम सदर साहब जो कुछ कहेंगे, उस के खिलाफ एतराज नहीं करना चाहते। डा. जोशी ने जो सवाल उठाया हैं, हमारी नजर में वह बेहद काबिले एतराज हैं। हम उस काबिले एतराज सवाल को लेकर अगर मिनिस्टर साहब की रिएक्शन आती हैं ...(**व्यवधान**)....

†**نیتا ورودھی دل "شری سکندر بخت"**: صدر صاحب۔ سیدھی سیدھی بات یہ ہے کہ ہم اسوقت اس مشکل میں پڑے ہیں کہ ہم صدر صاحب جو کچھ کہیں گے اسکے خلاف اعتراض نہیں کرنا چاہتے ڈاکٹر جوشی نے جو سوال اٹھایا ہے ہماری نظر میں وہ بیحد قابل اعتراض ہے۔ ہم اس قابل اعتراض سوال کو لیکر اگر منسٹر صاحب کی "ری ایکشن " آتی ہے ..."مداخلت"...

SYED SIBTEY RAZI: Sir, I think I am not getting your protection.

श्री सिकन्दर बख्त : हम रिएक्शन के जवाब पर .

...(**व्यवधान**).... देखिए, आप बीच में न बोलिए मेहरबानी से, सदर साहब, यह तरीका जो उत्तर प्रदेश के सिलसिले में मदाखलत करने की कोशिश की हैं, हम सख्त-तरीन मजम्मत करते हैं उसकी और हम यह कहना चाहते हैं कि राजेश पायलट साहब का इस मामले में

हस्तक्षेप कर के और वहां गड़बड़ी पैदा करने का जो इरादा था, उस की सख्त-तरीन मजम्मत करते हैं और हम एतराज के तौर पर यह कहते हुए कि राजेश पायल साहब का इस्तीफरा मिलना चाहिए इस सरकार को हम वास-आउट करते हैं इस पर

†**شری سکندر بخت**: ہم ری ایکشن کے جواب پر "وی وانٹ ٹو واک آؤٹ آن دس ایشو"..."مداخلت"... دیکھئے آپ بیچ میں نہ بولئے مہربانی سے۔ صدر صاحب یہ طریقہ جو اترپردیش میں کے سلسلے میں مداخلت کرنے کی کوشش کی ہے۔ہم سخت ترین مزمت کرتے ہیں اسکی اور ہم یہ کہنا چاہتے ہیں کہ راجیش پائلیٹ صاحب کا اس معاملہ میں مداخلت کرکے اور وہاں گڑبڑی کرنا کا جو ارادہ تھا اسکی سخت ترین مزمت کرتے ہیں اور ہم اعتراض کے طور پر کہتے ہوئے کہ راجیش پائیلٹ صاحب کا استعفی ملنا چاہئے اس سرکار کو۔ ہم واک آؤٹ کرتے ہیں اس پر۔

We want to walk out on this issue.

(At this stage, some hon. Members left the Chamber.)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI RAJESH PILOT): Mr.. Vice-Chairman, Sir, they must listen to the facts. They should not walk out. Sit down here. Don't go away. Listen to us. Don't do this *(Interruptions)*. We had seen it in 1992 and we shall not see this again in our country. Please stay and listen to us. What had you been talking and what had your leaders been talking?

†[ ]Transliteration in Arabic Script

"अयोध्या लिया लटके से, मथुरा लेंगे झटके से"।

यह देश झटका साहन नहीं कर सकता। आप जा कहां रहे हो, यहां सुनो। बैठो दो मिनिट, जोशी जी। आओ-आओ वापिस आ जाओं, झटका यहां सुनकर जाओं। हम बताएंगे आप कैसे झटका देंगे?

SHRI SURINDER KUMAR SINGLA: Mr. Vice-Chairman, Sir, I would like to say that they were walking out from their responsibility. We should never trust the BJP.

सैयद सिब्ते रजी : उपसभाध्यक्ष महोदय, मुझे बहुत दुख हैं कि प्रतिपक्ष के नेता

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : भा.जा.पा. के।

सैयद सिबते रजी : खास तौर पर भा.जा.पा. ने जिस तरह का प्रदर्शन आज सदन में किया हैं, वह बड़ा ही अशोभनीय हैं। मैं समझता हूं कि हमारे जो लोकतांत्रिक मूल्य हैं, उस के खिलाफ हैं। महोदय, अभी यहां जो स्टेटमेंट की बात हुई, उस में यह कहा गया था कि 11 अगस्त को श्री राजेश पायलट जी ने उत्तर प्रदेश का जो दौरा यिका, वह बिल्कुल अन-शेड्यूल्ड था। इस के लिए कोई आज्ञा नही ली गयी थी, कोई इजाजत नहीं ली गयी थी। एक माननीय सदस्य ने जो यहां सवाल उठाया, वह बड़े ही गंभीर और सीनियर सदस्य हैं, मुझे ताज्जुलब हुआ कि उन्होने उत्तर प्रदेश को भारत के नक्शे से निकाल दिया हैं या निकाल देने की कोई तैयारी कर रहे हैं?

महोदय, अगर कांस्टीयूशन के पार्ट-1 में देखा जाय तो उस में स्पष्ट लिखा हुआ हैं।

उत्तर प्रदेश, हमारा जो संघीय राज्य हैं, उसका एक हिस्सा हैं और यह यूनियन टेरिटरि के अंदर ही आता हैं।

†**سید سبط رضی "اتر پردیش":** اپ ادھیکش مہودے۔ مجھے بہت دکھ ہے کہ "پرتی پکش" کے نیتا...

شری ستیہ پرکاش مالویہ: بھاجپا کے۔

†**سید سبط رضی:** خاص طور پر بھارتیہ جنتا پارٹی نے جس طرح کاپردرشن آج سدن میں کیا ہے وہ بڑا ہی "اشوبھ لئے " ہے۔ میں سمجھتا ہوں کہ ہمارے جو "لوکتانترک مولئے" ھیں اسکے خلاف ہے۔

مہودے ابھی یہاں جواسٹیٹمنٹ کی بات ہوئی اسمیں یہ کہا گیا تھا کہ ۱۱ اگست کو شری راجیش پائلٹ جی نے اتر پردیش کا جو دورہ کیا وہ بلکل "ان شڈولڈ "تھا اسکے لئے کوئی "آ گیا" نہیں لی گئی تھی۔کوئی اجازت نہیں لی گئی تھی۔ ایک مانیئے سدسئے نے جو یہاں سوال اٹھایا وہ بڑے ہی گمبھیر اور سینئر سدسئے ہیں۔مجھے تعجب ہوا کہ کیا انھوں نے اتر پردیش کو بھارت کے نقشے سے نکال دیا ہے۔ یا نکال دینے کی کوئی تیاری کر رہے ہیں۔

مہودے۔ اگر کانسٹی ٹیوشن" کے پارٹ ایک میں دیکھا جائے تو اسمیں اسپشٹ لکھا ہوا ہے.... "

1. Name and territory of the Union—(1) India, that is Bharat, shall be a Union of States.

2. The States and the territories thereof shall be as specified in the First Schedule.

3. The territory of India shall comprise—

a) the territories of the States;
b) The Union territories specified in the First Schedule; and
c) such other territories as may be acquiared."

†[ ]Transliteration in Arabic Script

इसलिए गृहमंत्री जी अपने दायित्व को पूरा करने के लिए देश के किसी भी प्रदेश में जा सकते हैं। ...(**व्यवधान**)....

उपसभाध्यक्ष महोदय, मुझे दस, पांच मिनट आप दीजिए, प्लीज। कोई भी मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश का ही नहीं, किसी भी प्रदेश का मुख्यमंत्री , मै समझता हूं कि इस तरह की छिछली और बहुत ही हल्की बात नहीं करेगा। इसके अलावा जो अभी यहां पर 355 का सवाल उठाया गया, यह 355 बड़ा ही स्पष्ट हैं। चूंकि कहा गया हैं कि सरकार जो भी वह जबरदस्ती उनसे कुछ ऐसा कराना चाहती थी। मैं गवर्नमेंट की तरफ से नहीं कह रहा, लेकिन एक कांग्रेस पार्टी के मैम्बर की हैसियत से, इस सदन के मैम्बर की हैसियत से कहना चाहता हूं कि हमने संविधान की शपथ खाई हैं और इसलिए संविधान की अवहलेना अगर देश में अंदर कहीं भी होगी तो उसके खिलाफ हम आवाज उठाएंगे।

महोदय, 355 में कहा गया है-

"It shall be the duty of the Union to protect every State against external aggression and internal disturbance and to ensure that the Government of every State is carried on in accordance with the provisions of this Constitution."

†**سید سبط رضی "جاری":** اتر پردیش جو ہمارا سنگھئے راجیہ ہے اسکا ایک حصہ ہے اور یہ "یونین ٹیریٹری " کے اندر ہی آتا ہے۔ اسلئے گرہ منتری جی اپنے دائیتو کو پورا کرنے کیلئے دیش کے کسی بھی پردیش میں جاسکتے ہیں..."مداخلت"...

اپ ادھیکش مہودے۔ مجھے دس پانچ منٹ آپ دیجئے پلیز۔ کوئی بھی مکھیہ منتری اتر پردیش کا ہی نہیں۔کسی بھی پردیش کا مکھیہ منتری۔ میں سمجھتا ہوں کہ اسطرح کی چھچلی اور بہت ہی ہلکی بات نہیں کرے گا۔اسکے علاوہ جوبھی یہاں پر ۳۵۵ کا سوال اٹھایا گیا ہے۔ یہ ۳۵۵ بڑا ہی سپشٹ ہے۔چونکہ کہا گیا ہے کہ سرکار جو تھی وہ زبر دستی انسے کچھ ایسا کرانا چاہتی تھی۔ میں گورنمنٹ کی طرف سے نہیں کہہ رہاہوں۔ لیکن ایک کانگریس پارٹی کے ممبر کی حیثیت سے اس سدن کے ممبر کی حیثیت سے کہنا چاہتا ہوں کہ ہم نے سمودھان کی سپتھ کھائی ہے اور اسلئے ہم سمودھان کی "اوھیلنا" اگر دیش کے انھر کہیں بھی ہوگی تو اسکے خلاف ہم آواز اٹھائینگے۔ مہودے۔ ۳۵۵ میں کہاگیا ہے۔

"It shall be the duty of the Union to protect every State against external aggression and internal disturbance and to ensure that the Government of every State is carried on in accordance with the provisions of this Constitution."

तो अगर अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करने के लिए गृह राज्यमंत्री या गृहमंत्री उत्तर प्रदेश जाते हैं या कोई दूसरे मंत्री जाते हैं तो उसमें क्या आपत्ति हो गई? कल दिन भर आपने सदन नहीं चलने दिया और बार बार आप कह रहे थे कि प्रधानमंत्री वहां जाएं, प्रधानमंत्री को वहां जाना चाहिए। अब पहले प्रधानमंत्री आपसे इजाजत लेंगे क्योंकि स्टेट गवर्नमेंट की मुख्यमंत्री ने कहा हैं कि हमसे बगैर इजाजत लिए 11 अगस्त को इन्होने मथुरा में विजिट कर लिया। यह क्या हो रहा हैं? यह कौन से हलके के लोग आ गए हैं? या तो आपकी जो सोहबत

†[]Transliteration in Arabic Script

हैं वह उनको खराब कर रही हैं या फिर उनकी सोहबत आपको खराब कर रही हैं। यही चीजें हो सकती हैं, कि आप ऐसी छिछली बात करें। ...(**व्यवधान**)....

महोदय, मैं जानना चाहूंगा कि 6 दिसंबर, 1992 के हादसे के बाद क्या केन्द्रीय सरकार फिर धोखा खाएं? एक बार हमने धोखा खाया हैं, संविधान की हम रक्षा नहीं कर सके हैं, लेकिन दुबारा हम धोखा नहीं खाएंगे। इस देश के अंदर कोई भी इबादतगाह हो, कोई भी पवित्र स्थल हो, उसके लिए किसी भी तरह का षडयंत्र रचा जाय या इस देश को खंडित करने का षडयंत्र रचा जाए, सांप्रदायिकता के नाम पर, जाति के नाम पर, धर्म के नाम पर, रंग के नाम पर, नस्ल के नाम पर, छोटी जाति के नाम पर, बड़ी जाति के नाम पर, उसे केन्द्रीय सरकार, हमारी केन्द्रीय सरकार जब तक सत्ता में रहेगी, हम कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम इस देश के अंदर हर उस इमारत को बचाएंगे, जो किसी भी फिरके से ताल्लुक रखती हो, किसी संपद्राय से ताल्लुक रखती हो, चाहे वह इस हिन्दू की इबादतगाह हो, चाहे वह मुस्लिम की इबादतगाह हो, चाहे क्रिश्चियन की इबादतगाह हो। इबादतगाह के नाम पर बहुत अनर्थ हो चुका हैं, फरदर हम नहीं होने देंगे और इस मामले में हम कोई इजाजत किसी को नहीं देंगे। मैं समझता हूं कि केन्द्रीय सरकार ने इस सिलसिले में अपना कर्त्तव्य निभाया हैं और आगे भी अगर इस तरह का षडयत्र रचा जाता हैं तो उसका मुकाबला करने के लिए हमें तैयार रहना चाहिए। ...(**व्यवधान**)....

इस तरह की बेतुकी कहानियां बनाना, मैं समझता हूं कि हमारे संघीय ढांचे के खिलाफ हैं। इस तरह की छोटी और छिछली बातें नहीं की जानी चाहिए और कोशिश यह करनी चाहिए। एक ऐसी सरकार, जो पूर्ण रूप से नैतिक सरकार नहीं हैं, संघीय ढांचे के हिसाब से कुछ केलकुलेट करके वह सरकार चल रही हैं, उसका इस तरह का आरोप लगाना उचित नहीं, लेकिन अगर वह कर्त्तव्य निर्वहन में कहीं फेल होगी तो, मैं समझता हूं केन्द्रीय सरकार अपने दायित्व के निर्वहन में कभी भी नहीं हिचकेगी, कभी भी पीछे नहीं हटेगी।यह देश हमारा हैं, यह देश सबका देश हैं और इस देश को अब बटने नहीं दिया जाएगा। ...(**व्यवधान**)....

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : अगला, प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा । ...(**व्यवधान**)....

श्रीमती कमला सिन्हा (बिहार) : सर, एक मिनट। ...(**व्यवधान**)....

सैयद सिब्ते रजी : और, मैं बधाई देना चाहूंगा राजेश पायलट साहब को, कि उन्होने अपने कर्त्तव्य निर्वाह का पूरा पूरा सबूत दिया हैं। यह कहा गया कि उनके वहां जाने से बड़ी प्रतिक्रिया हो गई, वहां लोगों ने उनकी मुखालफत की, यह स्टेटमेंट के अंदर कहा गया हैं कि तमाम राजनैतिक पार्टियों ने हमारे गृहमंत्री के दौरे की मुखालफत की हैं। मैं पूछना चाहूंगा कि भारतीय जनता पार्टी के अलावा कौन सी ऐसी राजनैतिक पार्टी हैं, जिसने उनके जाने से कहा कि वहां की जो शांति हैं वह भंग हो रही हैं। ...(**व्यवधान**)....

महोदय, वहां के जो इनके मुख्यमंत्री थे, उनको एक सुप्रीम कोर्ट से सजा हुई हैं। मैं समझता हूं कि चुल्लु भर पानी इनके डूब मरने का समय आ गया हैं। ऐसा भारत के इतिहास में कभी नहीं हुआ। ...(**व्यवधान**)....

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : सिब्ते रजी साहब। ...(**व्यवधान**)....

सैयद सिब्ते रजी : मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं और आशा करता हूं कि इसी जोश और जज्बे के साथ देश के संघीय ढांचे को बचाने के लिए केन्द्रीय सरकार अपने दायित्व का निर्वहन करती रहेगी।

تو اگر اپنے "کرتوے کا نرواہ" کرنے کیلئے گرہ راجیہ منتری یا گرہ منتری اتر پردیش جاتے ہیں یا کوئی دوسرے منتری جاتے ہیں تو اسمیں کیا آپتی ہوگئی۔کل دن بھر آپنے سدن نہیں چلنے دیا او ربار بار اپ کہہ رہے تھے کہ پردھان منتری وہاں جائیں۔ پردھان منتری کو وہاں جانا چاہئے۔ اپ پہلے پردھان منتری آپسے اجازت لیں گے کیونکہ اسٹیٹ گورنمنٹ کی مکھیہ منتری نے کہا ہےکہ ہم سےبغیر اجازت لئے گیارہ اگست کو انھوں نے متھرا میں "وزٹ"کر لیا۔یہ

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

وہ مسلم کی عبادتگاہ ہو چاہےکرشچن کی عبادتگاہ ہو۔عبادتگاہ کے نام پر بہت اترغو ہو چکا ہے۔ فردر ہم نہیں ہونے دینگے اور اس معاملے میں ہم کوئی اجازت کسی کو نہیں دینگے۔ میں سمجھتا ہوں کہ کیندریہ سرکار" نے اس سلسلے میں اپنا کرتویہ" نبھایا ہے اور آگے بھی اس طرح کا "شڈینتر" رچا جاتا ہے تو اسکا مقابلہ کرنے کیلئے ہمیں تیار رہنا چاہئے ..."مداخلت"...

اس طرح کی بے تکی کہانیاں بنانا میں سمجھتا ہوں کہ ہمارے "سنگھئے "ڈھانچے کے خلاف ہے۔ اسطرح کی چھوٹی اور چھچھلی باتیں نہیں کرنی چاہئے اور کوشش یہ کرنی چاہئے کہ ایک ایسی سرکار جویورن روپ سے نیتک سرکار نہیں ہے۔"سنگھئے "ڈھانچہ کے حساب سے کچھ "کیلکولیٹ"کرکے وہ سرکار چل رہی ہے۔ اسکا اسطرح کا "آروپ" لگانا "اچت" نہیں ہے۔ لیکن اگر وہ "کرتوے نرواھن" میں کہیں فیل ہوگئی تو میں سمجھتا ہوں کہ "کیندریہ سرکار" اپنے "دائتو کے نرواہ" میں کبھی بھی نہیں ھچکے گی۔ کبھی بھی پیچھے نہیں ھٹے گی۔ یہ دیش ہمارا ہے۔ یہ دیش سب کا دیش ہے اور اس دیش کیا ہو رہا ہے۔یہ کون سے ھلکے لوگ آگے ہیں۔ یا تو آپکی جو صحبت ہے وہ انکو خراب کر رہی ہے یا پھر انکی صحبت آپکو خراب کر رہی ہے۔یہ چیزیں ہو سکتی ہیں کہ آپ ایسی چھچھلی بات کریں ..."مداخلت"... مہودے میں جاننا چاہونگا کہ ٦ دسمبر ١٩٩٢ کے حادثے کے بعد کیا کیندریہ سرکار پھر دھوکہ کھائے۔ ایک بار ہم نے دھوکہ کھایا ہے۔ سمودھان کی ہم رکشا نہیں کر سکے ہیں۔ لیکن دو بارہ ہم دھوکہ نہیں کھائینگے۔ اس دیش کے اندر کوئی بھی عبادت گاہ ہو۔ کوئی بھی پوتر استھل ہو اسکے لئے کسی بھی طرح کا "شڈینتر" رچایا جائے یا اس دیش کو کھنڈت کرنے کا "شڈینتر رچا جائے۔سامپردائکتا کے نام پر۔ جاتی کے نام پر۔ دھرم کے نام پر۔ رنگ کے نام پر۔نسل کے نام پر چھوٹی جاتی کے نام پر۔ بڑی جاتی کے نام پر۔ ا سے کیندر سرکار۔ ہماری کیندریہ سرکار جبتک ستہ میں رہیگی ہم کبھی برداشت نہیں کرینگے۔ہم اس دیش کے اندر ہر اس عمارت کو بچائینگے جو کسی بھی فرقہ سے تعلق رکھتی ہو۔کسی سمپردائے سے تعلق رکھتی ہو۔ چاہے وہ ھندو کی عبادتگاہ ہو۔ چاہے

کو اب بٹنے نہیں دیا جائیگا..."مداخلت"...

اپ سبھا ادھیکش شری سریش پچوری: اگلا۔ پروفیسر وجے کمار ملہوترہ..."مداخلت"...

شریمتی کملا سنہا: سر۔ ایک منٹ..."مداخلت"...

†سید سبط رضی: اور میں دوھائی دینا چاہونگا شری راجیش پائلیٹ صاحب کو۔ کہ انھوں نے اپنے "کرتوے نروا" کا پورا پورا ثبوت دیا ہے۔ یہ کہا گیا ہے کہ انکے وہاں جانے سے بڑی پرتی کریا ہوگئی۔ وہاں لوگوں نے انکی مخالفت کی۔ یہ اسٹیٹمنٹ کے اندر کہا گیا کہ تمام راجنیتک پارٹیوں نے ہمارے گرہ منتری کے دورے کی مخالفت کی ہے۔ میں پوچھنا چاہونگا کہ بھارتیہ جنتا پارٹی کے علاوہ کونسی ایسی راجنیتک پارٹی ہے جسنے انکے جانے سے کہا ہے کہ وہاں کی جوشانتی ہےوہ بھنگ ہو رہی ہے..."مداخلت"...

مہودے۔ وہاں کے جو انکے مکھیہ منتری تھے انکو ایک سپریم کورٹ سے سزا ہوئی ہے۔میں سمجھتا ہوں کہ چلو بھر پانی میں انکے ڈوبنے کا سمے آگیا ہے۔ایسا بھارت کے اتہاس میں کبھی نہیں ہوا..."مداخلت"...

اپ سبھا ادھیکش: سبط رضی صاحب..."مداخلت"...

سید سبط رضی میں آپکا شکریہ ادا کرتا ہوں اور آشا کرتا ہوں کہ اسی جوش اور جزبہ کے ساتھ دیس کے سنگھیئے ڈھانچے کو بچانے کیلئے کیندریہ سرکار اپنی "دائیتو کا نرواہ" کرتی رہے گی۔

श्रीमती कमला सिन्हा : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं अपने दल की ओर से और अपनी ओर से मथुरा मे कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद के मुताल्लिक जो कुछ हुआ, केन्द्रीय सरकार ने जो कुछ किया हैं या प्रान्तीय सरकार, पहली दलित सरकार और मायावती ने जिस ढंग से, जिस कड़ाई से,जिस सख्ती से बी.जे. पी. ...(**व्यवधान**)....

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली) : बी.जे.पी. नहीं।

श्रीमती कमला सिन्हा : आई एम सॉरी, वी.एच.पी.। वी.एच.पी. और बजरंग दल का जो वहां मन्सबा था कि एक दफा बाबरी मस्जिद को गिराया और एक नया मसला खड़ा कर दिया देश के सामने, उसी तरह से एक मसला खड़ा करके, एक इलेक्शन ईश्यू खड़ा करने का जो धंधा चल रहा था, उसको किस ढंग से रोका, हम उसकी तारीफ करते हैं, ताइद करते है और हम यह कहना चाहते हैं कि सरकार की अबल, आंख देर से खुली हैं, देर आये, दुरूस्त आए, लेकिन कम से कम आए तो। तो हम यह कहना चाहते हैं कि आइन्दा आप सचेत रहिए, आंख खोलकर रहिए, कहीं पर भी इस तरह की हरकत को नहीं होने दीजिए। अगर कड़ाई से आप कदम उठायेंगे तो हर सेकुलर पार्टी आपका समर्थन करेगी। धन्यवाद।

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा।

SHRI E. BALANANDAN (Kerala): Sir, please allow me for a minute.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): I have already called him. *(Interruptions)* We have to complete the business. *(Interruptions)*

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : आप तीन बार मुझे बुला चुके हैं ...(**व्यवधान**).... यह कोई तरीका तो नहीं हैं। इनका न नाम हैं, यह कैसे बोल सकते हैं? ...(**व्यवधान**).... चार बार पहले बोल चुके हैं, यह कोई तरीका नहीं हैं। ...(**व्यवधान**)....

श्री जर्नादन यादव : एक, दो, तीन, चार, पांच, छः, कितने आदमी ऐसोसिएट करेंगे?हम लोगों को समय दिया हुआ हैं और एक-एक बात पर आप तीन-तीन, छः-छः बार ऐसोसिएट करेंगे तो कैसे चलेगा। ...(**व्यवधान**)....

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : उपसभाध्यक्ष महोदय, ...(**व्यवधान**)....

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : एक मिनट में लिए।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : नहीं। आप कितनी बार अलाऊ करेंगें?

SHRI E. BALANANDAN: Just one minute.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Please complete in one minute. *(Interruptions)*

SHRI E. BALANANDAN: Mr. Vice-Chairman, Sir, in India, a big tension had been created. The Government of India and the people concerned have at least saved the situation. Whatever the Central Government has done in that is not a bad thing, according to us.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : उपसभाध्यक्ष महोदया, यह कनॉट प्लेस और कनॉट सर्कस ...(**व्यवधान**)....

SHRI RAJESH PILOT: They have charged me in person. They have charged the Government. Let me answer.

उपसभाध्यक्ष महोदय, बहुत से भाई, खास कर हमारे डा. मुरली जोशी जी ने बात को बहुत फैलाकर कहा और शायद उनके पास जो कुछ खबर थी, उन्होन वह सदन को बता दी, मेरा फर्ज बनाता हैं कि वहां जो कुछ हालात गुजरे हैं, जो बात मेरी और मुख्य मंत्री के बीच में हुई हैं, मैं उसे सही रूप में हाउस में रखूं जिससे हाउस को पता चल सके कि हमने कहां तक अपना फर्ज निभाया हैं और कहां तक ये गलत सदन को बता रहे हैं। जिस दिन यह बात चली खबरों में, सारे देश में 7-8 तारीख के लगभग टेंशन बढ़ने लगी कि वी.एच.पी. की तरफ से नारे आने लगे हैं, बी.एच.पी. ने कुछ नई प्रतिक्रिया शुरू की हैं और कुछ नए कार्यक्रम बनाए हैं। वहां कभी परिक्रमा नहीं होती थी, परिक्रमा नहीं होती थी, परिक्रमा अनाउंस कर दी और जो शाही मस्जिद हैं उसके करीब, 300-500 गज के करीब इन्होने यज्ञ की योजना बना ली। तो यू. पी. सरकार ने हमें चिट्ठी लिखी और कहा कि हमें पैरा-मिलिट्री फोर्सिज की जरूरत हैं और हमें 30 कम्पनी पैरा-मिलिट्री फोर्सिज की चाहिए, इसके लिए गृह मंत्रालय को उन्होने चिट्ठी लिखी। मैंने उन्हे टेलीफोन किया, मैंने कहा कि बहन जी, आपने इतनी कम्पनी मांगी हैं, क्या बात हैं? उन्होने कहा कि मुझे लॉ एंड ऑर्डर के लिए 30 कम्पनी मथुरा मे चाहिये। हमने अपने डिपार्टमेट में, होम मिनिस्ट्री में एक नया सिस्टम चलाया हैं कि जब कोई प्रदेश किसी पैरा-मिलिट्री फोर्स की कम्पनी मांगे तो लिखकर बताए कि किसलिए मांग रहे हैं। यह बिल्कुल कोई ऐसे स्टॉक मार्किट नहीं हैं कि 40 भेज दो, 20 भेज दो, हमें टास्क भी दें कि हमारी फोर्सिज की भी रहे। सी.आर. पी. जाए और रॉयट्स कन्ट्रोल नहीं हो तो मैं अपनी सी. आर.पी, से पूछ सकूं कि आपने किया क्या हैं? तो उन्होने हमें टास्क बताया कि हमारा टास्क हैं 30 कम्पनी, मथुरा में हमें ऐसे-ऐसे शंका हैं इन लोगों से और उन्होन उसी दिन शाम को बयान भी दिया कि मैं कोई शरारात नहीं होने दूंगी, वी.एच.पी. को मेरी खुली चेतावनी हैं और अगर ये अपनी पर आयेंगे तो मैं सख्त कदम उठाऊंगी। उसके बाद जब उन्होने बयान दिया, तो हमने कहा कि 30 कम्पनी हम भेज देंगे। उस वक्त जब 30 कम्पनी जा रही थी, सारा सदन इस बात को मानेगा क वी.एच. पी. कैंडीडेंट भी बी.जे.पी. के टिकट से लड़े हैं। ...(**व्यवधान**).... आज जो वी.एच.पी. के मेंबर हैं वह बी.जे.पी. के टिकट पर जीतकर आए हैं। ...(**व्यवधान**).... वी.एच.पी. का यूज किया हैं। उपसभाध्यक्ष जी, मुझे शक एक बात से हो रहा था, आज से 8 महीने की बात हैं। हमारे साथी वहां से खड़े होकर हम पर गालियां देते थे कि वी.एस.पी. के नारे क्या होते थे-

"तिलक, तराजू और तलवार,

इनको दो जूते चार"।

यह यहीं के रिकार्ड पर हैं। लोक सभा में और यहां पर यह नारे लगाते थे कि कैसे सरकार चल रही हैं,

खुलेआम बिरादरीवाद फैलाया जा रहा हैं और यही कर रहे हैं। वह दूसरी बात हैं कि इनकी सौबत मे नारा बदल गया—

"तिलक, तराजू और तलवार,

इनको करो नमस्कार बार-बार"।

यह तो मुझे खुशी हैं कि इन्होने नारा बदला। लेकिन हमें शक इस बात पर हुआ कि जब वी.एच.पी. के ऑफिशियल जनरल सैक्रेटरी वहां खड़े हुए हैं और मथुरा में जो आदमी इकट्ठे थे, उन्होने एक नारा दिया । 10 तारीख को यह कहा—

"अयोध्या लिया लटके से,

मथुरा लेंगे झटके से"।

इसका खूब प्रचार हुआ। फिर सरकार चुप नहीं रह सकती ...(**व्यवधान**)....

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : ...(**व्यवधान**).... ऐसा कोई नारा नहीं लगाया ...(**व्यवधान**)....

श्री राजेश पायलट : जब उन्होने यह नारा दिया, यही नहीं यज्ञ होने के बाद उन्होने यह कहा—

अयोध्या हमारी हैं, मथुरा की बारी हैं"।

उपसभाध्यक्ष महोदय, माफ करेंगे, यह देश और झटके नहीं सहन कर सकता। इस देश ने 6 दिसम्बर, 92 का झटका बड़ी मुश्किल से रोक रखा हैं। उस झटके ने देश को हिला दिया हैं, दुनियां में देश की इज्जत को हिला दिया हैं। पार्लियामेंट में बयान, सुप्रीम कोर्ट में बयान, चीफ मिनिस्टर का हर जगह बयान और उसके बाद इन्होने ऐसा किया। तो मैंने उस दिन सबसे पहले सरकार की तरफ से बयान दिया था कि हम राज्य सरकार की पूरी मदद करेंगें।

लेकिन कड़ी नजर रखेंगे कि ऐसी स्थिति न आ जाए कि जहां पर हमको देश के झटके को दोबारा सहन करना पड़े। मैं रोज मुख्य मंत्री से बात करता रहा। बड़े भाई साहब, और बहन जी की बात होती थी। पूछा कि —भाई साहब, कम्पनी पहुंच गई? मैंने कहा कि चल दी हैं, पहुंच जाएंगी। बड़ा अच्छा इंतजाम हो रहा हैं। मुझसे कभी उन्होने ऐसी शिकायत नहीं की कि ऐसी बात क्यों हो रही हैं। उन्होने डी.जी. चेंज किया। तो मैंने उनसे कहा कि जब मैं मथुरा गया था,मैं सारे अधिकारी साथ ले गया और यू.पी. के अधिकारियों के साथ बैठकर एक कोआर्डिनेटेड स्कीम बनाई थी, जो हर प्रदेश में करते हैं, जहां कोई टास्क मिलता हैं, अगर सीरियस टॉस्क हो, चाहे नागालैंड हो, चाहे आसाम हो, चाहे पंजाब हो, चाहें कहीं का जहां सीरियस हैं, देश में जहां ऐसा नाजुक मोड़ हैं वहां पर सारे अफसरों की मीटिंग तथा कोआर्डिनेशन कराते हैं ताकि कम्युनिकेशन गैप न रहे। तो जब मीटिंग हुई और डी.जी. चेंज हुआ तो उनका मुझे टेलीफोन आया कि मैंने डी.जी. बदल दिया हैं, मुझे ऐसी उम्मीद थी कि कोई गलत काम हो जाएगा। नया डी.जी. आ रहा हैं। यह मथुरा होकर आपके पास में आएगा तथा रिपोर्ट करके आपको ब्रीफ कर देगा। तो इतनी कोआर्डिनेशन हम बराबर करते रहे। मैं हमेशा कहता रहा कि लॉ एंड स्टेट का सब्जेक्ट हैं, हम पूरी मदद करेंगे, लेकिन कड़ी नजर हम रखेंगे। कोई ऐसा काम नहीं होने देंगे जिससे देश को पछताना पड़े और यह हमारा फर्ज हैं और हमने कोशिश भी की । हमने कोई ऐसा कदम नहीं उठाया जहां राज्य सरकार के काम में दखल दी हो या उनके हक में दखल दी हो। एक बात जरूर आई, जो ऑनरेबिल मेंबर जोशी जी ने उठाई हैं। जब यह बता चल रही थी तो हमने 6 दिसम्बर, 92 का पूरा रिकार्ड पढ़ा कि प्रकिया क्या हुई थी, कार्य प्रणाली कैसे फेल हुई, कहां नहीं चल पाई। मैंने अधिकारियों से पूछा। उनमें से कुछ अधिकारी ऐसे थे जो 6 दिसम्बर, 1992 के हालात को भी देख चुके थे। उन्होने यह कहा कि साहब, अगर ऐसी हालत होती हैं तो एक स्पेशल मजिस्ट्रेट की पॉवर्स हों। तो डी.जी. सी.आर.पी. एफ. ने कहा कि उनको ऑटोमेटिकली भी होती हैं। यह जिक्र आपस में आया। वह मैंने अफसरो पर छोड़ दिया, चीफ सैक्रेटरी और होम सैक्रेटरी और अफसर आपस में बातें कर लें। मैंने एक डैमोक्रेटिक इलेक्टेड रिप्रजेंटेटिव होने के नाते सिर्फ यह आदेश दिए कि किसी हालत मे भी ऐसी घटना न घटे जिससे देश को पछताना पड़े। जहां तक इन्होने सी.आर.पी.एफ. के जवानों की बात की कि कुछ सी.आर.पी. एफ. के जवान सिविल में गए और उन्होने कहा कि हम देखें मस्जिद को कैसे रोक लेंगें। यह सरासर गलत हैं। सच्चाई यह हैं, हमने यह प्लान बनाया था कि यूनिफार्म के साथ-साथ सिविल में भी हमारे आदमी हों कि अगर किसी वजह से कोई गड़बड़ी करने लगे तो सिविल की इंफार्मेशन भी हम पर आती रहे। जहां एक लाख की या डेढ़ लाख की भीड़ आती हो, वहां पर ऐसे इंतजाम के तौर से करने पड़ते हैं। विजय मल्होत्रा जी, कल को आप मेरी जगह बैठे हों तो मुझसे भी दोगुना करेंगे और सिविल मे ज्यादा भेजेंगे जिससे इंफार्मेशन आती रहे। तो यह इंतजाम हमने किया। जो आज चिल्ला रहे थे कि उन्होने सिविल में किया ...(**व्यवधान**)....

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (उत्तर प्रदेश) : दो पुलिस फोर्स को लड़ाने के लिए ...(**व्यवधान**)....

श्री राजेश पायलट : नहीं, दो पुलिस फोर्स को लड़ाने का नहीं था। ...(**व्यवधान**).... आप होम सैक्रेटरी रह चुके हैं। ...(**व्यवधान**)....

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : इसी वजह से मेरा मुंह बंद हैं, वरना तो बहुत बातें कह सकता हूं ...(**व्यवधान**).... कंस्टीट्यूशन का किस तरह से मिस-यूज करते रहे, बहुत सी बातें बताई जा सकती हैं।

श्री राजेश पायलट : उपसभाध्यक्ष महोदय, यह तय हो गया था कि सी.आर.पी.एफ का रोल साफ-साफ तौर पर स्टेट गवर्नमेंट ने दे दिया था। सी.आर.पी. की ऐलोकेशन स्टेट गवर्नमेंट करती थी कि यहां-यहां पर सी.आर.पी. रहेगी, यहां पर लोकल पुलिस रहेगी। यह सब कुछ अफसरों ने आपस में बैठकर तय कर लिया था और मुख्य मंत्री जी ने मुझे टेलीफोन पर बताया कि मैं इससे बिल्कुल सहमत हूं और मैं चाहती हूं कि सी.आर.पी. अंदर रहे। उन्होने टेलीफोन पर मुझसे कहा कि मैं चाहती हूं कि पैरा मिलिटरी फोर्स मस्जिद और मंदिर, दोनों में अंदर ये फोर्सेज हैं तो मैं इस सदन को यह विश्वास ...(**व्यवधान**)....

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : उनका चार्ज ...(**व्यवधान**)....

श्री राजेश पायलट : माथुर जी, मुझे कहने दो, आपने बहुत कह लिया। मैं इस सदन को यह विश्वास दिलाना चाहता हूं कि केन्द्र सरकार ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जो राज्य सरकार की मर्जी के खिलाफ हो ...(**व्यवधान**).... राज्य सरकार के अधिकारों में हस्तक्षेप करता हो। हमने बिल्कुल कोऑर्डिनेशन करके काम किया। यह जरूर हैं कि अब की बार हमने नजर खुली रखी और विश्वास नही किया क्योंकि कुछ पता नहीं, वी.एच.पी. कब बी.जे.पी. हो जाए, वी.एच.पी. हो जाए। ...(**व्यवधान**)....

तीसरा, सबसे बड़े दुख की बात उपसभाध्यक्ष महोदय यह हैं ...(**व्यवधान**)....

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : क्या मुख्य मंत्री झूठा बयान दे रही हैं? आपके कहने का तो अर्थ यह हैं कि मुख्य मंत्री झूठा बयान दे रही हैं। उन्होने आरोप आप पर लगाया हैं कि राजेश पायलट केन्द्र सरकार के अधीन लाना चाहते थे। इसका मतलब हैं कि आप यह कह रहे हैं कि उनका बयान बिल्कुल झूठा हैं?

श्री राजेश पायलटः माथुर जी, जवाब दे रहा हूं ...(**व्यवधान**)....

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : 355 के अंदर, आपने खुद ही कहा हैं कि 355 के अधीन अधिकारियों को छोड़ दिया था। ...(**व्यवधान**).... आप जरा बताइए कि कौन सा आधार पर यह ...(**व्यवधान**)....

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : माथुर जी ....

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : 355 के अधीन आपने अधिकारियों को छोड़ दिया था?

As to how were you satisfied?

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : माथुर जी ...

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आप इस बात से संतुष्ट थे? ...(**व्यवधान**).... उपसभाध्यक्ष महोदय ...(**व्यवधान**)....

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल): इस बहस में भी हिस्सा लेंगे, यह कैसे हो सकता हैं? ...(**व्यवधान**)....

SHRIMATI JAYANTHI NATARA-JAN: How long will it take? Other States also exist.

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल): इस बहस में भी हिस्सा लेंगे, यह कैसे हो सकता हैं? ...(**व्यवधान**)....

†**شری محمد سلیم**: اس بحث میں بھی حصہ لینگے یہ کیسے ہو سکتا ہے..."مداخلت"...

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : सब कुछ हो सकता हैं लड़ाई में। ...(**व्यवधान**)....

SHRI V. NARAYANASAMY (Pon-dicherry): This is an allegation against the Minister?

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : प्लीज ..... प्लीज.....

श्री राजेश पायलट : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं सारे इतिहास में नहीं जाना चाहता लेकिन मैं माथुर साहब ...(**व्यवधान**)....

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : माथुर जी, मिनिस्टर को अपनी बात कहने दीजिए। ...(**व्यवधान**)....

SHRI V. NARAYANASAMY: With- " out hearing the Minister, why are you making a noise?

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : ये खुल्लम-खुल्ला आरोप लगा रहे हैं कि मुख्य मंत्री उत्तर प्रदेश का बयान झूठा हैं। इसका अर्थ यह हैं कि सदन में आप गलत बोल रहे हैं।

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : आप मिनिस्टर को तो अपनी बात कहने दीजिए। ...(**व्यवधान**)....

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : लगाया हैं , आप पर भी आरोप लगाया हैं ...(**व्यवधान**).... यह खुल्लम-खुल्ला बयान हैं। ...(**व्यवधान**)....

श्री राजेश पायलट : अरे बैठो तो सही। ...(**व्यवधान**)....

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : कोऑर्डिनेशन का कॉन्सेप्ट अच्छा हैं ...(**व्यवधान**).... आपका कोऑर्डिनेशन का कॉन्सेप्ट बहुत अच्छा हैं। ...(**व्यवधान**)....

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : आप बैठिए। him finish.

SHRI V.P. DORAISAMY (Tamil Nadu): Sir, the time is 1.45.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Please be seated. *...(interruptions)...* I am requesting you to sit down.

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : एक बात हैं, मिस्टर चतुर्वेदी एक्स-होम सेक्रेटरी भी रह चुके हैं और ऑडिटर जनरल भी रह चुके हैं और लाल किले में काली टोपी पहनकर, निकर भी पहनकर खडे देखे गए थे। इस देश का क्या होगा? ...(**व्यवधान**)....

PROF. VIIAY KUMAR MALHOTRA: What is wrong in it?

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : मंत्री जी, आपने खत्म कर लिया?

श्री राजेश पायलट : संक्षेप में उपसभाध्यक्ष जी ...(**व्यवधान**)....

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : मैं हमेशा आदाब करता हूं इसका मतलब यह नहीं हैं कि मैने कोई चर्म बदल दिया और यह बिल्कुल गलत हैं कि मैं काली टोपी या निकर पहने हुए वहां पर बैठा हुआ था। हजारों लोगों ने देखा हैं, फोटो हैं और जो यह कह रहे हैं, वह बिल्कुल गलत हैं। टाइटलर साहब क्या करते थे जब ये स्टुडेंट लीडर थे और ...(**व्यवधान**)....

और उसके बाद भी ये क्या करते रहे हैं? किस तरह से अधिकारियों से ... कि तरह से अधिकारियों से ये पैसे वसूल करते रहे थे? ...(**व्यवधान**)....

किस तरह से इन्होने सन् 84 में, सन् 84 में राइट्स में ...(**व्यवधान**)....

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, as Home Secretary, he was a failure.

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : प्लीज... प्लीज चतुर्वेदी जी। ...(**व्यवधान**)....

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : नहीं, नहीं, यह प्रिविलेज का सवाल हैं। वैसे मैं काली टोपी को ...(**व्यवधान**).... आदर का सूचक समझता हूं। ...(**व्यवधान**)....

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : आप बैठिए।

Nothing will go on record.

श्री राजेश पायलट : उपसभाध्यक्ष महोदय ...(**व्यवधान**)....

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी :*

SHRI MD. SALIM (West Bengal):

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी :*

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : चतुर्वेदी जी, आप प्लीज बैठिए। ...(**व्यवधान**)....

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी :*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Nothing will go on record.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी

उपसभाध्यक्ष : आप बोलेंगे...(interruptions)... It will not go on record.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी :*

श्री राजेश पायलट : उपसभाध्यक्ष महोदय ...(**व्यवधान**)....

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी :*

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : चतुर्वेदी जी...

i

*Not recorded.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी :*

श्री जगदीश टाइटलर :*

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी :*

श्री जगदीश प्रसाद मथुर :*

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी :*

श्री जगदीश टाइटलर :*

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी :

श्री जगदीश टाइटलर:*

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी :*

SHRI V. NARAYANASAMY:*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): All of you, please sit down. Nothing will go on record.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी :*

SHRI V. NARAYANASAMY:*

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी :*

SHRI V. NARAYANASAMY:*

SHRIMATI JAYANTHI N^TARA-JAN* (Tamil Nadu):

SHRI V. NARAYANASAMY:*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Mr. Naray-anasamy, please be seated. *(Interruptions)....* Nothing will go on record. *(Interruptions)...*

SHRI V. NARAYANASAMY:

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी :*

श्री जगदीश टाइटलर :*

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी :*

श्री जगदीश टाइटलर :*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): All* of you please be seated. *(Interruptions) ...* Please be seated. Yes, Minister.

*Not recorded.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : गलतफहमी यह हुई कि टाइटलर जी ने यह कहा यह काली टोपी लगाकर तब जाते थे जब यह होम सेक्रेटरी थे ...(**व्यवधान**)....

श्री जगदीश टाइटलर : यह मैंने नहीं कहा ...(**व्यवधान**).... मैंने कहा कि ऐसा इंसान जो होम सेक्रेटरी रह चुका हो वह काली टोपी और निकर में दिखाई दिया । ...(**व्यवधान**)....

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : मैं काली टोपी या कोई निकर पहन कर किसी फंक्शन में नहीं गया। ...(**व्यवधान**).... मैं यह कहना चाहता हूं कि यह गलत तरीके से रिप्रेजेन्ट कर रहे हैं। यह अपने शब्द वापस ले लें कि मैंने यह गलत कहा। इसको स्पष्ट कर दें। ...(**व्यवधान**)....

श्री जगदीश टाइटलर : मैं अपनी बात वापस लेता हूं। ...(**व्यवधान**).... आरएसएस के लोग निकर और पैंट में खड़े थे ...(**व्यवधान**)....

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : मैं पैंट में भी नहीं खड़ा था। ...(**व्यवधान**)....

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : इन्होने अपनी बात वापस ले ली। ...(**व्यवधान**)....

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : मुझे यह कहना पड़ेगा कि सन् 1984 कें दंगों में जो क्रिमिनल्स थे ...(**व्यवधान**).... बेलाडीला के मामले में जैंसे संतोष मोहन देव बोल रहे हैं अगर हम ने बोलना शुरू कर दिया तो असम ...(**व्यवधान**)....

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मैं यह अर्ज कर रहा हूं कि क्या यह बात समाप्त कर देनी चाहिए क्योंकि टाइटलर जी ने कह दिया। ...(**व्यवधान**).... उन्होने यह नहीं कहा कि जब होम सेक्रेटरी थे, उन्होने बाद की बात कही। इसलिए इस बात को यही समाप्त कर दिया जाए। ...(**व्यवधान**)....

SHRIMATI JAYANTHI NATARA-JAN: Sir, we don't want to have any explanation from Mr. Mathur. There are other issues also. There are many States in the country. *(Interruptions).*

श्री राजेश पायलट : मैं बहुत विनम्रतापूर्वक अपने सदस्य भाइयों को और बहनों को विश्वास दिलाना चाहूंगा कि जो कुछ भी हमने मदद की राज्य सरकार की इस भावना से की कि ऐसा कोई घटना न घटे जहां हम सब को अफसोस जाहिर करना पड़े और उसके साथ अगर

माननीय सदस्यों को याद हो तो दोनों हाउसेज से एक्ट पास हुआ था कि 15 अगस्त, 47 से पहले जितने भी हमारे शाइन्स हैं जिनकी जो आरीजनल पोजिशन हैं केन्द्रीय सरकार उन्हे मैन्टेन करेगी। यह हमने वायदा सारे देश को दे रखा हैं। यह भी हमारा एक फर्ज बनता हैं कि जो हाउसेज के पास करें उसको इम्पलीमेंट ठीक तरीके से करा दें। ...(**व्यवधान**)....

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली) : आप गवर्नमेंट को गिराना चाहते थे या नहीं गिराना चाहते थे? ...(**व्यवधान**).... गवर्नमेंट को गिराने का एट्मोसफीयर पैदा कर दिया था। ...(**व्यवधान**)....

SHRI RAJESH PILOT: Let me assure the House...*(Interruptions).* I would like to assure the House that the Government will leave no stone unturned and will not allow any such force which can damage the secular fabric of the country...*(Interruptions).* There can be charges against the Government. But, the Government is not bothered about the charges. The Government is committed to this role and it will fulfil this role. All the communal forces will be rooted out from the country. This is the commitment of the Government. There is no doubt about it. Thank you.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आपके ऊपर मुख्य मंत्री ने आरोप लगाया हुआ हैं आप उसका जवाब दीजिए। ...(**व्यवधान**).... जो मुख्य मंत्री ने आरोप लगाया था उसका जवाब आपके पास नहीं हैं। ...(**व्यवधान**)....

RE: CHANGE IN NAMES OF CONNAUGHT PLACE AND CONNAUGHT CIRCUS.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली) : उपसभाध्यक्ष महोदय, अचानक एक दिन सुबह यह पढ़ कर हमें बड़ा आश्चर्य हुआ कि कनाट प्लेस और कनाट सर्कस का नाम बदल कर राजीव चौक और इन्दिरागांधी चौक कर दिया गया। इस सवाल के दो पक्ष हैं ...(**व्यवधान**)....

[**उपसभाध्यक्ष (श्री वी. नारायणसामी) पीठासीन हुए**]

2.P.M.

एक तो यह हैं कि नाम बदलने का अधिकार किसको हैं? होम मिनिस्टर साहब ने जो यह नाम बदला तो होम मिनिस्टर साहब को यह पावर किसने दी कि वह कनाट प्लेस का नाम बदल दें? यह पावर होम मिनिस्ट्री के पास कैसे आयी? उपसभाध्यक्ष महोदय, न्यू दिल्ली म्युनिस्पल कमेटी का जो ऐक्ट बना हैं, जिसको इस हाउस ने पास किया हैं, उसमें यह लिखा हुआ हैं "The Chairperson of the New Delhi Municipal Council may, with the sanction of the Council, determine the name or number by which any street or public place vested in the Council shall be known."

होम मिनिस्टर साहब ने जो यह नाम बदला तो होम मिनिस्टर साहब को यह पावर किसने दी कि वह कनाट प्लेस का नाम: No person shall destroy, remove, deface in any way or injure or alter any such name.

। यह सिर्फ न्यू दिल्ली म्युनिस्पल कमेटी ने रखे हैं उनको बदलने का अधिकार किसी व्यक्ति को नहीं हैं। चेज करना था तो न्यू दिल्ली म्युनिस्पल कौसिल ही चेंज कर सकती थी। इसके आखिर में लिखा गया हैं कि अगर कोई व्यक्ति ऐसा करे तो उसको ये जुर्माना हो सकता हैं। होम मिनिस्टर साहेब को अगर 50 रूपया का जुर्माना, तो उन्होने यह किया, तो इसके आधार पर वे कन्विक्ट हो सकते हैं और कन्विक्शन के बाद वे होम मिनिस्टर साहेब को अगर 50 रूपया का जुर्माना, तो उन्होने यह किया, तो इसके आधार पर वे कन्विक्ट हो सकते हैं और कन्विक्शन के बाद वे होम मिनिस्टर रहेंगे या नहीं रहेंगे, यह मुझे मालूम नहीं। उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि होम मिनिस्टर साहब को कोई अधिकार नहीं था। यह ला आफ जंगल नही हैं। हिन्दुस्तान के अंदर कानून का राज चलता हैं।इस बारे में अभी तक न्यू दिल्ली म्युनिस्पल कौसिल ने कोई रेजोल्यूशन पास नहीं किया, नाम चेंज नहीं किया। सिवाय उसके कोई दूसरा नाम चेंज भी नही कर सकता। उपसभाध्यक्ष, यह जो बहाना ले रहे हैं, यहां पर जो जयकृष्ण साहब का लेटर आया हैं, उससे पहले मैं होम मिनिस्ट्री ने जो चिट्टी दिल्ली के चीफ सेकेट्ररी को लिखी, दिल्ली कारपोरेशन को लिखी, न्यू दिल्ली म्युनिस्पल कमेटी को लिखी, उसको मैं रेफर करना चाहता हूं। यह लेटर 1976 में लिखा गया हैं। इसमें लिखा हैं कि : The question of renamij" of streets, roads, etc ... *(Interruptior*

SHRIMATI JAYANTHI N^'